INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

हरियाणा CET

COMMON ELIGIBILITY TEST

ग्रुप – C एवं ग्रुप - D पदों के लिए

भाग – 1

भारत + विश्व सामान्य ज्ञान (GK) + विविध

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**हरियाणा CET (Common Eligibility Test)**" को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (HSSC)**, द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**हरियाणा CET (Common Eligibility Test)**" भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें /*

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशक

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

Online Order करें - https://bit.ly/haryana-cet-notes

WhatsApp करें - https://wa.link/bxnukg

मूल्य : ₹

संस्करण : नवीनतम

क्र. सं.	अध्याय	पेज नं.
	संविधान	
1.	ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	1
2.	संविधान सभा	3
3.	संविधान की विशेषताएं	5
4.	संघ एवं इसका राज्य क्षेत्र	8
5.	भारतीय नागरिकता	9
6.	मौलिक अधिकार	10
7.	नीति निदेशक तत्व (DERECTIVE PRINCIPLES)	12
8.	राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति	14
9.	भारतीय संसद (विधायिका)	18
10.	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद	23
11.	उच्चतम न्यायालय	24
12.	राज्य कार्यपालिका राज्यपाल	26
13.	मुख्यमंत्री, राज्य महाधिवक्ता, राज्य विधानमण्डल	27
14.	उच्च न्यायालय	32
15.	पंचायती राज	35
16.	निर्वाचन आयोग	39
17.	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक	39
18.	नीति आयोग	40
19.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	41
20.	संविधान संशोधन	42
	भारत का भूगोल	
1.	सामान्य परिचय	43
2.	भौतिक विभाजन	45
3.	नदियाँ एवं झीलें	50
4.	जलवायु	55
5.	कृषि (Agriculture)	57

6.	मृदा / मिट्टी	62
7.	प्राकृतिक वनस्पतियाँ	64
8.	प्रमुख खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	67
9.	उद्योग (Industry)	71
10.	परिवहन तंत्र	75
	विश्व भूगोल	79 – 94
	ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल	
	महाद्वीप एवं महत्वपूर्ण स्थान	
	पर्वत (Mountains) एवं पठार	
	विश्व के प्रमुख महासागर और सागर	
	इतिहास	
	प्राचीन भारत का इतिहास	
1.	सिन्धु घाटी सभ्यता	95
2.	वैदिक काल	98
3.	बौद्ध धर्म, जैन धर्म, शैव धर्म,	101
4.	महाजनपद काल	106
5.	मौर्य काल एवं मौर्योत्तर काल	107
6.	गुप्त काल एवं गुप्तोत्तर काल	110
7.	कुषाण वंश एवं सातवाहन राजवंश	113
	मध्यकालीन भारत	
1.	अरबों का सिन्ध पर आक्रमण	115
2.	दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश	117
3.	भक्ति एवं सूफी आंदोलन	126
4.	बहमनी एवं विजयनगर साम्राज्य	129
5.	मुगल साम्राज्य (1526 - 1707 ई.) बाबर से औरंगजेब तक	132
	आधुनिक भारत का इतिहास	
1.	यूरोपीय कम्पनियों का आगमन	139
2.	मराठा साम्राज्य	144
3.	अंग्रेजों की राजनीतिक एवं प्रशासनिक नीतियाँ	147

4.	1857 की क्रांति से पूर्व के जन आंदोलन 1857 की क्रांति	153
5.	भारत में राष्ट्रीय जागरण या आंदोलन	157
6.	गाँधी युग और असहयोग आंदोलन	160
7.	क्रांतिकारी आंदोलन से आजादी तक	165
	भारतीय संस्कृति	
1.	संस्कृति के कुछ महत्वपूर्ण विषय	168
2.	भारतीय चित्रकला	170
3.	भारतीय नृत्य कलाएँ	172
4.	मुगलकालीन प्रमुख इमारतें	174
	अर्थशास्त्र	
	भारतीय अर्थव्यवस्था	
1.	अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएँ	178
2.	राष्ट्रीय आय और उत्पाद	179
3.	मुद्रा एवं बैंकिंग	180
4.	बजट एवं बजट निर्माण	183
5.	कर (TAX)	185
6.	केंद्र सरकार की योजनाएँ	186
7.	गरीबी एवं बेरोजगारी	190
	विविध	191 - 233
	• महत्वपूर्ण दिवस	
	• विश्व के प्रमुख देश, राजधानी एवं उनकी मुद्राओं की सूची	
	• पुस्तक एवं लेखक	
	• भारत में सर्वाधिक बड़ा, लम्बा एवं ऊँचा	
	• भारत में प्रथम पुरुष	
	• भारत में प्रथम महिला	
	• भारत का निम्न क्षेत्रों में प्रथम एवं द्वितीय स्थान	
	• भारत में प्रमुख पुरस्कार एवं सम्मानित व्यक्ति	

	• *विश्व के प्रमुख संगठन और उनके मुख्यालय*	
	• *भारत के प्रमुख संस्थान एवं उनके मुख्यालय*	
	• *अविष्कार – आविष्कारक*	
	• *भारत के प्रमुख खेल*	
	• *भारत में विश्व धरोहर स्थल*	
	• *भारत के राज्यों के मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल*	
	• *भारत के राजकीय पशु पक्षी, वृक्ष और फूल की सूची*	
	• *केंद्र शासित प्रदेश और उनकी राजधानियों की सूची*	
	• *स्थलों / शहरों / अभियानों के परिवर्तित नाम*	
	• *पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी*	

संविधान

अध्याय – 1

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- **भारत का संवैधानिक विकास**
- **1773 ई. का रेग्युलेटिंग एक्ट**
- इस अधिनियम द्वारा बंगाल के गवर्नर को 'बंगाल का गवर्नर जनरल कहा गया ।
- इसके द्वारा मद्रास एवं बंबई के गवर्नर 'बंगाल के गवर्नर जनरल के अधीन हो गये ।
- इसके अन्तर्गत कलकत्ता में 1774 ई. में एक उच्चतम न्यायालय की स्थापना की गई।
- इसके द्वारा ब्रिटिश सरकार का 'कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स' के माध्यम से कंपनी पर नियंत्रण सशक्त हो गया ।
- बंगाल का पहला गवर्नर जनरल लॉर्ड वॉरेन हेस्टिंग्स थे।
- कलकत्ता सर्वोच्च न्यायालय के पहले मुख्य न्यायाधीश 'एलिजा इम्पे' थे।

- **1781 ई. का एक्ट ऑफ सेटलमेंट**-रेग्युलेटिंग एक्ट की कमियों को दूर करने के लिए इस एक्ट को लाया गया ।
- इस एक्ट के अनुसार कलकत्ता की सरकार को बंगाल, बिहार और उड़ीसा के लिए भी विधि बनाने का अधिकार दिया गया ।

1784 ई. का पिट्स इंडिया एक्ट

- इस एक्ट के द्वारा दोहरे प्रशासन का आरम्भ हुआ ।
- बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स – व्यापारिक मामलों के लिए ।
- बोर्ड ऑफ कंट्रोलर –राजनीतिक मामलों के लिए ।
- ब्रिटिश सरकार को भारत में कंपनी के कार्यों और इसके प्रशासन पर पूर्ण नियंत्रण प्रदान किया गया ।

- **1793 ई. का चार्टर अधिनियम** द्वारा नियंत्रण बोर्ड के सदस्यों तथा कर्मचारियों के वेतन आदि को भारतीय राजस्व में से देने की व्यवस्था की गयी ।

1813 ई. का चार्टर अधिनियम

- कंपनी के अधिकार पत्र को 20 वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया ।
- कंपनी के भारत के साथ व्यापार करने के एकाधिकार को छीन लिया गया ।
- लेकिन चीन के साथ व्यापार एवं पूर्वी देशों के साथ चाय के व्यापर के संबंध में 20 वर्षों के लिए एकाधिकार प्राप्त रहा ।
- 1813 ई. से पहले ईसाई पादरियों को भारत आने की आज्ञा नहीं थी किन्तु 1813 ई. के अधिनियम द्वारा ईसाई पादरियों को भारत आने की सुविधा मिल गयी ।

1833 ई. का चार्टर अधिनियम

- इस अधिनियम ने बंगाल के गवर्नर को भारत का गवर्नर जनरल बना दिया।
- इसने मद्रास एवं बम्बई के गवर्नरों को विधायिका संबंधी शक्ति से वंचित कर दिया ।
- लॉर्ड विलियम बैंटिक भारत के प्रथम गवर्नर जनरल थे ।
- इस अधिनियम के तहत कंपनी के व्यापरिक अधिकार पूर्णतया: समाप्त कर दिये गए ।
- भारतीय कानूनों का वर्गीकरण किया गया तथा इस आयोग के लिए विधि आयोग की नियुक्ति की व्यवस्था की गयी
- 1834 ई. में लॉर्ड मैकाले की अध्यक्षता में प्रथम विधि आयोग का गठन किया गया ।

1853 ई. का चार्टर अधिनियम

- 1793 से 1853 ई. के दौरान ब्रिटिश संसद द्वारा पारित किये गये चार्टर अधिनियम के श्रृंखला में अधिनियम अन्तिम था ।
- इसने पहली बार गवर्नर जनरल के विधायी एवं प्रशासनिक कार्यों को अलग कर दिया ।
- इसने सिविल सेवकों की भर्ती एवं चयन हेतु खुली प्रतियोगिता व्यवस्था का शुभारम्भ कर दिया।

ताज का शासन [1858 से 1947 ई. तक]

- 1861, 1892 और 1909 ई. के भारत परिषद् अधिनियम
- भारत शासन अधिनियम, 1919
- भारत शासन अधिनियम, 1935
- भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947

1858 ई. का भारत शासन अधिनियम

- भारत का शासन कंपनी से लेकर ब्रिटिश क्राउन के हाथों में सौंपा गया इसके तहत भारत का शासन सीधे महारानी विक्टोरिया के अधीन चला गया ।
- भारत में मंत्री पद की व्यवस्था की गयी
- पंद्रह सदस्यों की भारत परिषद् का सृजन हुआ । मुगल सम्राट के पद को समाप्त कर दिया गया ।
- भारतीय मामलों पर ब्रिटिश संसद का सीधा नियंत्रण स्थापित किया गया ।
- इस अधिनियम के द्वारा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स तथा बोर्ड ऑफ कंट्रोल को समाप्त कर दिया गया ।
- भारत के गवर्नर जनरल का नम बदलकर वायसराय कर दिया गया ।
- अत: इस समय के गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग अन्तिम गवर्नर जनरल एवं प्रथम वायसराय हुए ।
- एक नए पद 'भारत के राज्य सचिव' का सृजन किया गया।

1861 ई. का भारत परिषद् अधिनियम

- 1862 ई. में लॉर्ड कैनिंग ने तीन भारतीयों- बनारस के राजा, पटियाला के महाराजा और सर दिनकर राव को विधान परिषद् में मनोनीत किया ।
- इस अधिनियम में मद्रास और बम्बई प्रेसिडेंसियों को विधायी शक्तियां पुन: देकर विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया की शुरुआत की ।
- गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी परिषद् का विस्तार किया गया। ।

- विभागीय प्रणाली का प्रारम्भ हुआ ।

1873 ई. का अधिनियम

- इस अधिनियम द्वारा यह उपबन्ध किया गया की ईस्ट इंडिया कंपनी को किसी भी समय भंग किया जा सकता है ।
- 1 जनवरी 1884 ई. को ईस्ट इंडिया कंपनी को औपचारिक रूप से भंग कर दिया गया ।

1876 का शाही उपाधि अधिनियम

- इस अधिनियम द्वारा गवर्नर जनरल की केन्द्रीय कार्यकारिणी में छठे सदस्य की नियुक्ति कर उसे लोक निर्माण का कार्य सौंपा गया ।
- 28 अप्रैल 1876 ई. को एक घोषणा द्वारा महारानी विक्टोरिया को भारत की सम्राज्ञी घोषित किया गया ।

1892 ई. का भारत परिषद् अधिनियम

- इसके माध्यम से केन्द्रीय और प्रान्तीय विधान परिषदों में गैर-सरकारी सदस्यों की संख्या बढ़ाई गई ।
- इसने विधान परिषदों के कार्यों में वृद्धि कर उन्हें बजट पर बहस करने के लिए अधिकृत किया गया ।

1909 ई. का अधिनियम

- इस अधिनियम को मार्ले मिन्टो सुधार के नाम से जाना जाता है ।
- इसने केन्द्रीय एवं प्रान्तीय विधान परिषदों के आकार में काफी वृद्धि की परिषदों की संख्या 16 से 60 हो गई ।
- इसने दोनों स्तरों पर विधान परिषदों के चर्चा कार्यों का दायरा बढ़ाया ।
- सतेन्द्र प्रसाद सिन्हा वायसराय की कार्यपालिका परिषद् के प्रथम भारतीय सदस्य बने ।
- इस अधिनियम में पृथक निर्वाचन के आधार पर मुस्लिमों के लिए साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व का प्रावधान किया।

1919 ई. का भारत शासन अधिनियम

- इसने प्रांतीय विषयों को पुनः दो भागों में विभाजित किया –हस्तान्तरित और आरक्षित ।
- इस अधिनियम ने पहली बार देश में द्विसदनीय व्यवस्था और प्रत्यक्ष निर्वाचन की व्यवस्था आरम्भ की ।
- इसके अनुसार कार्यकारी परिषद् के 6 सदस्यों में से 3 सदस्यों का भारतीय होना आवश्यक है।
- इस अधिनियम द्वारा लोक सेवा आयोग का गठन किया गया ।
- इस अधिनियम ने पहली बार केन्द्रीय बजट को राज्यों के बजट से अलग कर दिया ।
- इसके अन्तर्गत एक वैधानिक आयोग का गठन किया गया।
- भारत शासन अधिनियम, 1919 की समीक्षा करने के लिए वर्ष 1927 ई. में साइमन कमीशन का गठन किया गया था।

1935 ई. का भारत सरकार अधिनियम

- इसमें 321 अनुच्छेद व 10 अनुसूचियाँ थी।
- इस अधिनियम द्वारा अखिल भारतीय संघ की स्थापना की गयी ।
- इस अधिनियम में केन्द्र एवं इकाइयों के बीच तीन सूचियों संघीय सूची (59 विषय), राज्य सूची (54 विषय), और समवर्ती सूची (दोनों के लिए, 36 विषय) के आधार पर शक्तियों का बंटवारा किया ।
- इसने केन्द्र में द्वैध शासन प्रणाली (diarechy system) का शुभारंभ किया और प्रांतों में द्वैध शासन व्यवस्था समाप्त कर दी ।
- प्रांतीय शासन के अध्यक्ष के रूप में राज्यपाल की नियुक्ति की गयी ।
- इसने 11 राज्यों में से 6 में द्विसदनीय व्यवस्था प्रारम्भ की।
- इसने भारत शासन अधिनियम 1858 द्वारा स्थापित भारत परिषद् को समाप्त कर दिया ।
- इसके अन्तर्गत भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना हुई ।
- इसके तहत् 1937 में संघीय न्यायालय की स्थापना हुई ।
- इसमें ब्रिटिश भारत में संघीय शासन का प्रावधान था ।
- इसमें अखिल भारतीय संघ स्थापित करने का प्रावधान किया गया था ।
- भारत के राष्ट्रपति को अध्यादेश (ordinance) निर्गत करने की शक्ति मूलतः इसी अधिनियम से प्रेरित है ।
- भारत के संविधान में केंद्र और राज्यों के मध्य किया गया शक्तियों का विभाजन भारत सरकार अधिनियम, 1935 पर आधारित है ।

1947 ई. का भारत स्वतंत्रता अधिनियम

- इसने भारत में ब्रिटिश राज को समाप्त कर दिया, 15 अगस्त 1947 को इसे स्वतंत्र एवं सम्प्रभु राष्ट्र घोषित कर दिया ।
- इस अधिनियम ने भारत का विभाजन कर दो स्वतंत्र राष्ट्र भारत और पाकिस्तान का सृजन किया।
- इस कानून ने ब्रिटेन में भारत सचिव का पद समाप्त कर दिया ।
- इसने 15 अगस्त 1947 से भारतीय रियासतों पर ब्रिटिश संप्रभु को समाप्ति की घोषणा की ।
- इस अधिनियम ने शाही उपाधि से 'भारत का सम्राट' शब्द समाप्त कर दिया।
- 1935 के भारत शासन अधिनियम द्वारा शासन जब तक संविधान सभा द्वारा नया संविधान बनकर तैयार नहीं किया जाता तब तक उस समय 1935 के भारतीय शासन अधिनियम के द्वारा ही शासन किया जायेगा ।
- देशी रियासतों पर से ब्रिटेन की सर्वोपरिता का अंत कर दिया।

स्वतंत्र भारत का पहला मंत्रीमण्डल (1947)

जवाहर लाल नेहरू - प्रधानमंत्री, राष्ट्रमण्डल तथा विदेशी मामलों

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

सरदार वल्लभभाई पटेल - गृह, सुचना एवं प्रसारण, राज्यों के मामले
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद - खाद्य एवं कृषि
मौलाना अबुल कलाम आजाद - शिक्षा
डॉ. जॉन मथाई - रेलवे एवं परिवहन
आर. के. षणमुगम शेट्टी - वित्त
डॉ. बी. आर. अम्बेडकर - विधि
जगजीवन राम - श्रम
सरदार बलदेव सिंह - रक्षा
राजकुमारी अमृतकौर - स्वास्थ्य
सी. एच. भाभा - वाणिज्य
रफी अहमद किदवई - संचार
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी - उद्योग एवं आपूर्ति
वी. एन. गाडगिल - कार्य, खान एवं ऊर्जा

अध्याय – 2

संविधान सभा

- भारत में संविधान सभा के गठन का विचार वर्ष 1934 में पहली बार एम. एन. रॉय ने रखा ।
- 1935 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पहली बार भारत के संविधान निर्माण के लिए आधिकारिक रूप से संविधान सभा के गठन की मांग की ।
- 1938 में जवाहर लाल नेहरू ने घोषणा की स्वतंत्र भारत के संविधान का निर्माण वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनी गई संविधान सभा द्वारा किया जायेगा । नेहरू की इस मांग को ब्रिटिश सरकार ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया। इसे 1940 के अगस्त प्रस्ताव के रूप में जाना जाता है।
- क्रिप्स मिशन 1946 में भारत आया ।

क्रिप्स मिशन

- लॉर्ड सर पैथिक लॉरेंस (अध्यक्ष)
- ए. वी. अलेक्जेंडर
- सर स्टेफोर्ड क्रिप्स
- 1946 ई. को ब्रिटेन के प्रधान मंत्री क्लीमेंट एटली ने ब्रिटिश मंत्रिमंडल के तीन सदस्य (सर स्टेफोर्ड क्रिप्स, लॉर्ड पैथिक लॉरेंस तथा ए. वी. अलेक्जेंडर) को भारत भेजा जिसे कैबिनेट मिशन कहा गया ।
- कैबिनेट का मुख्य कार्य संविधान सभा का गठन कर भारतीयों द्वारा अपना संविधान बनाने का कार्य करना था।
- भारत में जवाहर लाल नेहरु की अध्यक्षता में अंतरिम सरकार का गठन कैबिनेट मिशन योजना के तहत किया गया था । अंतरिम मंत्रिमंडल अंग इस प्रकार था ।

अंतरिम सरकार

जवाहर लाल नेहरू - स्वतंत्र भारत का पहला मंत्रिमंडल (1947)
सरदार वल्लभभाई पटेल - गृह, सूचना एवं प्रसारण
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद - खाद्य एवं कृषि
जॉन मथाई - उद्योग एवं नागरिक आपूर्ति
जगजीवन राम - श्रम
सरदार बलदेव सिंह - रक्षा
सी. एच. भाभा - कार्य, खान एवं ऊर्जा
लियाकत अली खां - वित्त
अब्दुर रब निश्तार - डाक एवं वायु
आसफ अली - रेलवे एवं परिवहन
सी. राजगोपालाचारी - शिक्षा एवं कला
आई. आई. चुंदरीगर - वाणिज्य
गजनफर अली खान - स्वास्थ्य
जोगेंद्र नाथ मंडल - विधि

- कैबिनेट मिशन द्वारा प्रस्तुत किए गए सुझावों के अनुसार नवंबर 1946 में संविधान सभा का गठन हुआ | मिशन की

योजना के अनुसार संविधान सभा का स्वरूप निम्नलिखित प्रकार का होना था –

- संविधान सभा के कुल सदस्यों की संख्या 389 होनी थी। इनमें से 296 सीटें ब्रिटिश भारत के प्रांतों को और 93 सीटें देशी रियासतों को दी जानी थी ।
- हर ब्रिटिश प्रांत एवं देशी रियासत को उसकी जनसंख्या के अनुपात में सीटें दी जानी थी | आमतौर पर प्रत्येक 10 लाख लोगों पर एक सीट का आवंटन होना था ।
- प्रत्येक ब्रिटिश प्रांत को दी गई सीटों का निर्धारण तीन प्रमुख समुदायों के मध्य उनकी जनसंख्या के अनुपात में किया जाना था | यह तीन समुदाय थे :- मुस्लिम, सिख व सामान्य (मुस्लिम और सिख को छोड़कर) |
- देशी रियासतों के प्रतिनिधियों का चयन चुनाव द्वारा नहीं, बल्कि रियासत के प्रमुखों द्वारा किया जाना था |
- कैबिनेट योजना के अनुसार ब्रिटिश भारत के लिए आवंटित 296 सीटों के लिए चुनाव जुलाई-अगस्त 1946 में संपन्न हुए ।
- इस चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 208, मुस्लिम लीग को 73 तथा छोटे दलों व निर्दलीय सदस्यों को 15 सीटें मिली ।
- महात्मा गाँधी और मोहम्मद अली जिन्ना को छोड़ दे तो संविधान सभा में उस समय के भारत के सभी प्रसिद्ध व्यक्तित्व शामिल थे ।
- 9 दिसम्बर 1946 ई. को संविधान सभा की प्रथम बैठक हुई जिसमें मुस्लिम लीग ने भाग नहीं लिया ।
- संविधान सभा का अधिवेशन 9 दिसम्बर 1946 को कन्द्रीय कक्ष में संपन्न हुआ । डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को सर्व सम्मति से संविधान सभा का अस्थायी अध्यक्ष चुन लिया गया ।
- 11 दिसम्बर 1946 ई. को कांग्रेस के नेता डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। जो की अन्त तक इसके अध्यक्ष बने रहे।

उद्देश्य प्रस्ताव :-

- 13 दिसम्बर 1946 को जवाहरलाल नेहरू ने सभा में उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया।
- संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को वर्तमान संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में हुई । मुस्लिम लीग ने इस बैठक का बहिष्कार कियाऔर अलग पाकिस्तान की मांग उठाई ।
- सभा के सबसे वरिष्ठ सदस्य डॉ सच्चिदानंद सिन्हा को सभा का अस्थाई अध्यक्ष बनाया गया ।
- 2 दिन पश्चात 11 दिसंबर 1946 को डॉ राजेंद्र प्रसाद को सभा का स्थाई अध्यक्ष बनाया गया, जो 22 जनवरी 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वीकृत किया गया । संक्षेप में इस प्रस्ताव की मुख्य बातें निम्नलिखित थी :-
- भारत को एक स्वतंत्र तथा संप्रभु गणराज्य के रूप में स्थापित किया जाए ।
- भारत के समस्त नागरिक को विचार, अभिव्यक्ति, संस्था बनाने, कोई व्यवसाय करने, किसी भी धर्म को मानने या न मानने कि स्वतंत्रता होगी ।
- अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गों के हितों की सुरक्षा के लिए उपयुक्त रक्षा के उपाय किए जाएंगे ।
- देश की एकता को स्थायित्व प्रदान किया जाएगा ।
- यही उद्देश्य प्रस्ताव संविधान की 'प्रस्तावना' का आधार बना और इसी ने संपूर्ण संविधान के दर्शन को मूर्त रूप प्रदान किया ।

संविधान सभा की कार्य प्रणाली

अस्थायी अध्यक्ष - सच्चिदानंद सिन्हा
अध्यक्ष - डा. राजेन्द्र प्रसाद
उपाध्यक्ष - डा. एच. सी मुखर्जी, व वी०टी० कृष्णामाचारी

संविधान सभा के अन्य कार्य

- मई 1949 में राष्ट्रमंडल में भारत की सदस्यता ।
- 22 जुलाई 1947 को राष्ट्रीय ध्वज को अपनाया ।
- 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रगान को अपनाया ।
- 26 जनवरी 1950 को राष्ट्रीय गीत को अपनाया ।
- 24 जनवरी 1950 को राजेन्द्र प्रसाद को भारत के पहले राष्ट्रपति चुनना ।
- 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में कुल 11 बैठके हुई, लगभग 60 देशों का संविधान का अवलोकन, इसके प्रारुप पर 114 दिन तक विचार हुआ कुल खर्च 64 लाख रुपया आया ।
- 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा की अन्तिम बैठक हुई।

संविधान सभा की समितियां

संघ शक्ति समिति - जवाहर लाल नेहरू
संघीय संविधान समिति - जवाहरलाल नेहरू
प्रांतीय संविधान समिति - सरदार वल्लभ भाई पटेल
प्रारुप समिति - डॉ. बी. आर. अंबेडकर
मौलिक अधिकारी, अल्पसंख्यको एवं जनजातियो तथा बहिष्कृत क्षेत्रो के लिए सलाहकार समिति - सरदार पटेल
प्रक्रिया नियम समिति - डॉ. राजेंद्र प्रसाद
राज्यों के लिए समिति - जवाहरलाल नेहरु
संचालन समिति - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

प्रारुप समिति

- अम्बेडकर (अध्यक्ष)
- एन गोपालस्वामी आयंगार
- अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर
- डॉ. के. एम मुंशी
- सैयद मोहम्मद सादुल्ला
- एन. माधव राव (बी. एल. मिल की जगह)
- टी. टी. कृष्णामाचारी (डी.पी खेतान की जगह)
- 4 नवम्बर 1948 को अंबेडकर ने सभा में संविधान का अन्तिम प्रारुप पेश किया गया । इस बार संविधान पहली बार पढ़ा गया ।

अध्याय – 9

भारतीय संसद (विधायिका)
(art. 79-123)

संघीय विधानमंडल (संसद)

- भारतीय संविधान के अनु. 79 के अनुसार संसद के तीन अंग होते है - राष्ट्रपति, राज्यसभा और लोकसभा
- भारतीय संसद की संप्रभुता न्यायिक समीक्षा से प्रतिबंधित है।
- संसद में स्थगन प्रस्ताव (adjournment motion) लाने का उद्देश्य सार्वजनकि महत्व के अति आवश्यक मुद्दों पर बहस करना है।

संसद से सम्बंधित अनुच्छेद	
अनु.	• सम्बंधित विषय – वस्तु
79	• संसद का गठन
80	• राज्य सभा की सरंचना
81	• लोक सभा की सरंचना
82	• प्रत्येक जनगणना के पश्चात पुनः समायोजन
83	• संसद के सदनों की अवधि
84	• संसद की सदस्यता के लिए अर्हता
85	• संसद के सत्र सत्रावसान एवं विघटन
86	• राष्ट्रपति का सदनों को सम्बोधित तथा उनको संदेश देने का अधिकार
87	• राष्ट्रपति का विशेष सम्बोधन अभिभासण
88	• सदनों के सम्बंध में मंत्रियों और महान्यायवादी के अधिकार
89	• राज्य सभा का सभापति तथा उपसभापति
90	• राज्य सभा के उपसभापति के पद की रिक्ति, त्याग तथा पद से हटाया जाना।
91	• सभापति के कर्तव्यों के निर्वहन अथवा सभापति के रूप में कार्य करने की उपसभापति अथवा अन्य व्यक्ति की शक्ति
92	• जब राज्य सभा के सभापति अथवा उपसभापति को पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन हो तब उसका पीठासीन न होना
93	• लोक सभा का अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष
94	• लोक सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष पद की रिक्ति, त्यागपत्र तथा पद से हटाया जाना
95	• लोक सभा उपाध्यक्ष अथवा किसी अन्य व्यक्ति का लोक सभा अध्यक्ष के कर्तव्यों के निर्वहन की शक्ति
96	• जब लोक सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष को पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन हो तब उसका पीठासीन न होना।
97	• सभापति व उपसभापति तथा अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के वेतन-भत्ते
98	• संसद का सचिवालय
99	• सदस्यों द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
100	• दोनों सदनों में मतदान, रिक्तयों के होते हुए भी सदनों की कार्य करने की शक्ति तथा गणपूर्ति
101	• स्थानों का रिक्त होना
102	• संसद की सदस्यता के लिए निरर्हरताएं
103	• सदस्यों की अयोग्यता से सम्बंधित प्रश्नों पर निर्णय
104	• अनु. 99 के अंतर्गत शपथ लेने या प्रतिज्ञान करने से पहले अर्हत न होते अथवा निरर्हत किए जाने पर भी सदन में बैठने तथा मतदान करने पर दंड।

लोकसभा (art-81)

- लोकसभा को निम्न सदन / प्रथम सदन / अस्थाई सदन / लोकप्रिय सदन कहते हैं।
- प्रथम लोकसभा का गठन 17 अप्रैल, 1952 को हुआ था।
- अनच्छेद 81 तथा 331 लोकसभा के गठन से संबंधित है।
- लोकसभा में अधिकतम 552 सदस्य हो सकते हैं। इनमें से 530 सदस्य राज्यों से जबकि केंद्र शासित प्रदेशों से 20 सदस्य चुने जाते हैं जबकि 2 आंग्ल भारतीय सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।
- लोकसभा की वर्तमान सदस्य संख्या 545 से इनमें से 530 सदस्य राज्यों से जबकि 13 सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों से चुने जाते हैं जबकि 2 आंग्ल भारतीय सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।
- 91वाँ संविधान संशोधन अधिनियम 2001 में प्रावधान किया गया है कि लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 552 सन् 2026 तक बनी रहेगी।
- लोकसभा का कार्यकाल अपनी प्रथम बैठक से अगले 5 वर्ष तक होती है।

- **लोकसभा का सदस्य बनने के लिए व्यक्ति में निम्नलिखित योग्यताएं होनी आवश्यक हैं:**
  - वह भारत का नागरिक हो।
  - उसकी आयु 25 वर्ष से कम न हो।
  - वह संघ सरकार तथा राज्य सरकार के अधीन किसी लाभ के पद पर न हो (सरकारी नौकरी में न हो)
  - वह पागल / दिवालिया न हो।
- लोकसभा - अध्यक्ष का कार्यकाल पाँच वर्ष होता है,
- किन्तु अपने पद से वह स्वेच्छा से त्यागपत्र दे सकता है अथवा अविश्वास प्रस्ताव द्वारा उसे हटाया जा सकता है।
- 61वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1989 के द्वारा यह व्यवस्था कर दी गई कि 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाला

नागरिक लोकसभा या राज्य विधानसभा के सदस्यों को चुनने के लिए वयस्क माना जाएगा।

- लोकसभा विघटन की स्थिति में 6 मास से अधिक नहीं रह सकती।
- लोकसभा का गठन अपने प्रथम अधिवेशन की तिथि से पाँच वर्ष के लिए होता है।
- लेकिन प्रधानमंत्री की सलाह पर लोकसभा का विघटन राष्ट्रपति द्वारा 5 वर्ष के पहले भी किया जा सकता है।
- क्योंकि लोकसभा के दो बैठकों के बीच का समयान्तराल 6 मास से अधिक नहीं होना चाहिए।
- लोकसभा की अवधि एक बार में 1 वर्ष से अधिक नहीं बढ़ायी जा सकती है।
- आपात उद्घोषणा की समाप्ति के बाद 6 माह के अन्दर लोकसभा का सामान्य चुनाव कराकर उसका गठन आवश्यक है।
- लोकसभा का अधिवेशन 1 वर्ष में कम से कम 2 बार होना चाहिए ।
- अनुच्छेद 85 के तहत राष्ट्रपति को समय-समय पर संसद के प्रत्येक सदन, राज्यसभा एवं लोकसभा को आहुत करने, उनका सत्रावसान करने तथा लोकसभा का विघटन करने का अधिकार प्राप्त है।
- लोकसभा अध्यक्ष लोकसभा का प्रमुख पदाधिकारी होता है और लोकसभा की सभी कार्यवाहियों का संचालन करता है -
- लोकसभा अध्यक्ष का निर्वाचन लोकसभा के सदस्यों के द्वारा किया जाता है।
- लोकसभा अध्यक्ष के निर्वाचन की तिथि राष्ट्रपति निश्चित करता है।
- लोकसभा अध्यक्ष लोकसभा के सामान्य सदस्य के रूप में शपथ लेता है।
- लोकसभा अध्यक्ष को कार्यकारी अध्यक्ष शपथ ग्रहण कराता है।
- आगामी लोकसभा चुनाव के गठन के बाद उसके प्रथम अधिवेशन की प्रथम बैठक तक अपने पद पर बना रहता है। लोकसभाध्यक्ष उपाध्यक्ष को अपना त्यागपत्र दे देता है।

<u>राज्यों में लोकसभा सदस्यों की संख्या</u>

1. उत्तर प्रदेश	80
2. महाराष्ट्र	48
3. पश्चिम बंगाल	42
4. बिहार	40
5. तमिलनाडु	39
6. मध्य प्रदेश	29
7. कर्नाटक	28
8. गुजरात	26
9. राजस्थान	25
10. आंध्र प्रदेश	25
11. ओडिशा	21
12. केरल	20
13. तेलंगाना	17
14. असम	14
15. झारखण्ड	14
16. पंजाब	13
17. छत्तीसगढ़	11
18. हरियाणा	10
19. जम्मू / कश्मीर	6
20. उत्तराखण्ड	5
21. हिमाचल प्रदेश	4
22.आंध्रप्रदेश	2
23. गोवा	2
24. मणिपुर	2
25. मेघालय	2
26. त्रिपुरा	2
27. मिजोरम	1
28. नागालैंड	1
29. सिक्किम	1

<u>केन्द्रशासित प्रदेशलोकसभा सदस्यों की संख्या</u>

1. दिल्ली	7
2. अंडमान निकोबार	1
3.चण्डीगढ़	1
4. दादरा / नागर हवेली	1
5. दमन एवं दीव	1
6. लक्षद्वीप	1
7. पुदुचेरी	1

<u>राज्यसभा (art-80)</u>

- राज्यसभा को उच्च सदन /द्वितीय सदन /स्थायी सदन / संघीय सदन भी कहा जाता है ।
- राज्यसभा राज्यों का प्रतिनिधित्व करती है ।
- यह एक स्थाई सदन है और कभी भंग नहीं होता
- किन्तु इसके 1/3 सदस्य प्रति दो वर्ष के बाद स्थान खाली कर देते हैं, जिनकी पूर्ति नए सदस्यों से होती है।
- भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है।
- राज्यसभा में अधिक-से-अधिक 250 सदस्य हो सकते हैं। इनमें 238 राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों से निर्वाचित और 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत होते हैं। ये 12 सदस्य ऐसे होते हैं जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला सामजिक सेवा इत्यादि का विशेष ज्ञान होता है।
- राज्यसभा की वर्तमान सदस्य संख्या 245 में, राज्यों से 233 तथा राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत 12 सदस्य होते हैं।

- **राज्यों के प्रतिनिधि** - सदस्यों का निर्वाचन अप्रत्यक्ष रीति से होता है। राज्यों के प्रतिनिधि अपने राज्यों की विधानसभाओं के सदस्यों द्वारा निर्वाचित होते हैं। यह निर्वाचन आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति से तथा एकल संक्रमणीय मत विधि के अनुसार होता है।
- भारत में राज्यसभा के गठन के विषय में एक ओर दक्षिण अफ्रीका की अप्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली और दूसरी ओर आयरलैंड की मनोनयन प्रणाली को अपनाया गया है। राज्यसभा में प्रतिनिधियों की संख्या उस राज्य की जनसंख्या के आधार पर निश्चित की गई है।

- **राज्यसभा की सदस्यता के लिए योग्यताएँ**
  - उसे भारत का नागरिक होना चाहिए
  - उसकी आयु 30 वर्ष से कम न हो
  - भारत सरकार या राज्य सरकार के अंतर्गत लाभ का पद न ग्रहण करे
  - पागल या दिवालिया न हो

- **राज्यसभा के अधिकार और कार्य**
- धन तथा वित्त विधेयक राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति से सदन में जाते हैं।
- धन विधेयक राज्यसभा में केवल 14 दिन के लिए भेजा जाता है यदि राज्यसभा द्वारा इसे 14 दिन में पारित न किया जाए तो इसे स्वतः पारित मान लिया जाता है।
- वित्त विधेयक राज्यसभा में भेजा ही नहीं जाता है।
- यदि किसी विधेयक पर दोनों सदनों में मतभेद हो, तो राष्ट्रपति दोनों सदनों का संयुक्त अधिवेशन बुला सकता है। संयुक्त बैठक में दोनों सदनों के सदस्यों के बहुमत से जो भी निर्णय हो जाए, वही अंतिम निर्णय समझा जायेगा
- राष्ट्रपति के निर्वाचन में राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य भाग लेते हैं ।
- राज्यसभा के सदस्य भी मंत्री नियुक्त हो सकते हैं ।
- आपातकालीन उद्घोषणा का अनुमोदन लोक सभा के साथ-ही-साथ राज्यसभा द्वारा भी होना आवश्यक है।
- राष्ट्रपति / उच्चतम तथा उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश के विरुद्ध महाभियोग (Impeachment) लगाने का अधिकार लोक सभा के सामान राज्य सभा को भी है।

- **राज्यों में राज्य सभा सदस्यों की संख्या**

1. उत्तर प्रदेश	31
2. महाराष्ट्र	19
3. तमिलनाडु	18
4. पश्चिम बंगाल	16
5. बिहार	16
6. कर्नाटक	12
7. मध्यप्रदेश	11
8. आंध्र प्रदेश	11
9. गुजरात	11
10. ओडिशा	10
11. राजस्थान	10
12. केरल	9
13. पंजाब	7
14. तेलंगाना	7
15. झारखण्ड	6
16. हरियाणा	5
17. छत्तीसगढ़	5
18. जम्मू-कश्मीर	4
19. हिमाचल प्रदेश	3
20. उत्तराखंड	3
21. राष्ट्रीय राजधानी	
क्षेत्र दिल्ली	3
22. असम	1
23. गोवा	1
24. मणिपुर	1
25. मेघालय	1
26. मिजोरम	1
27. नागालैंड	1
28. पुदुचेरी	29
29. सिक्किम	1
30. त्रिपुरा	1
31. अरुणाचल प्रदेश	1

- राज्यसभा का उपसभापति राज्यसभा के सभापति को त्यागपत्र सौंपता है।
- राज्यसभा का सभापति भारत के राष्ट्रपति को अपना त्याग पत्र सौंपता है।
- उपाध्यक्ष का निर्वाचन लोकसभा के अध्यक्ष के बाद होता है।
- जब अध्यक्ष या उपाध्यक्ष का पद रिक्त होता है तो सभापति द्वारा निर्धारित तालिका के सदस्य द्वारा सदन की अध्यक्षता नहीं की जा सकती है। इस समय राष्ट्रपति द्वारा सदन के अध्यक्ष की नियुक्ति की जाती है।
- पहली बार 1969 में विपक्ष के नेता को मान्यता दी गई थी। 1977 में इसे संवैधानिक मान्यता प्राप्त हुई। आईवर जेनिंग ने इसे वैकल्पिक प्रधानमंत्री की संज्ञा दी है।
- लोकसभा में राज्यवार सीटो का आवंटन 1971 की जनगणना पर आधारित है ।
- 2026 तक राज्यसभा व लोकसभा सीटों की संख्या अपरिवर्तित रहेगी ।
- वर्तमान में तेलंगाना की "मलकांन गिरी" सर्वाधिक मतदाताओं वाली लोकसभा सीट है।
- लक्षद्वीप में न्यूनतम मतदाता हैं।
- अनुच्छेद 19 के अनुसार राज्यसभा को नयी "अखिल भारतीय योजना के गठन का अधिकार है।
- अनुच्छेद 249 के अनुसार 2/3 बहुमत से किसी विषय को राष्ट्रीयता महत्वता का घोषित कर सकती हैं इस स्थिति

हालिया संविधान संशोधन

99वां संशोधन 2014	राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग
100वां संशोधन 2015	भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा क्षेत्र में कुछ भू-भागों का आदान-प्रदान
101वां संशोधन 2017	1 जुलाई 2017 से वस्तु एवं सेवा कर को लागू किया जाना
102वां संशोधन 2018	राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा
103वां संशोधन 2019	103वें संशोधन के माध्यम से आर्थिक रूप से पिछलड़े वर्गों के लिए 10% आरक्षण।
104वां संशोधन 2020	लोकसभा और राज्य विधानसभा में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण की समय सीमा में वृद्धि

संविधान संशोधन (अनु. 368)

- संशोधन की प्रक्रिया को बताया गया है। संविधान संशोधन की तीन विधियों को अपनाया गया है।

1. साधारण बहुमत द्वारा संशोधन
2. विशेष बहुमत द्वारा संशोधन
3. बहुमत तथा आधे से अधिक राज्य के विधान मंडलों के अनुमोदन द्वारा संशोधन

भारत का भूगोल

अध्याय – 1

सामान्य परिचय

- भारत एशिया महाद्वीप का एक देश है, जो एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है तथा तीन ओर समुद्रों से घिरा हुआ है। पूरा भारत उत्तरी गोलार्द्ध में पड़ता है।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6'उत्तरी अक्षांश तक है।
- भारत का देशान्तर विस्तार 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक है।
- भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी. है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से संसार में भारत का सातवाँ स्थान है। यह रूस के क्षेत्रफल का लगभग 1/5, संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्रफल का 1/3 तथा ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्रफल का 2/5 है।
- जनसंख्या की दृष्टि से संसार में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।
- विश्व का 2.4% भूमि भारत के पास है जबकि विश्व की लगभग 17.5% (वर्ष 2011 के अनुसार) जनसंख्या भारत में रहती है।
- भारत के उत्तर में नेपाल, भूटान व चीन, दक्षिण में श्रीलंका एवं हिन्द महासागर, पूर्व में बांग्लादेश, म्यांमार एवं बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में s दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार में है)।

भारत का उत्तरी अन्तिम बिन्दु- इंदिरा कॉल (लद्दाख) है। कर्क रेखा (Tropic of Cancer) भारत के बीचों -बीच से गुजरती है।

देश की चतुर्दिक सीमा बिन्दु	
▪ दक्षिणतम बिन्दु- इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार द्वीप) ▪ उत्तरी बिन्दु- इन्दिरा कॉल (लद्दाख) ▪ पश्चिमी बिन्दु- सर क्रीक (गुजरात) ▪ पूर्वी बिन्दु-किबिथु (अरुणाचल प्रदेश) ▪ मुख्य भूमि की दक्षिणी सीमा- कन्याकुमारी (तमिलनाडु)	
स्थलीय सीमाओं पर स्थित भारतीय राज्य	
पाकिस्तान (4)	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर
अफगानिस्तान (1)	जम्मू और कश्मीर
चीन (5)	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांखंड, सिक्किम,अरुणाचल प्रदेश

नेपाल (5)	उत्तर प्रदेश, उत्तरांखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
भूटान (4)	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश
बांग्लादेश (5)	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
म्यांमार (4)	अरुणाचल प्रदेश,नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम

प्रमुख चैनल / जलडमरूमध्य	
विभाजित स्थल खण्ड	**चैनल/खाड़ी/स्ट्रेट**
इन्दिरा प्वाइंट-इण्डोनेशिया	ग्रेट चैनल
लघु अंडमान-निकोबार	10°चैनल
मिनीकॉय-लक्षद्वीप	9° चैनल
मालदीव-मिनीकाय	8° चैनल
भारत-श्रीलंका	मन्नार की खाड़ी
पाक की खाड़ी	पाक स्ट्रेट

➢ भारत के जिन राज्यों में से होकर कर्क रेखा गुजरती है वे हैं- गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिमी बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम ।

➢ भारत को पाँच प्राकृतिक भागों में बाँटा जा सकता है ।

1. उत्तर का पर्वतीय प्रदेश
2. उत्तर का विशाल मैदान
3. दक्षिण का प्रायद्वीपीय पठार
4. समुद्री तटीय मैदान
5. थार का मरुस्थल

➢ भारत का मानक समय (Indian Standard Time) इलाहाबाद के पास नैनी से लिया गया है। जिसका देशान्तर 82°30 पूर्वी देशान्तर है। (वर्तमान में मिर्जापुर) यह ग्रीनविच माध्य समय (GMT) से 5 घण्टे 30 मिनट आगे है।

➢ भारतीय मानक समय की देशांतर रेखा (82°30) उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा एवं आंध्रप्रदेश से गुजरती है।

➢ भारत की लम्बाई उत्तर से दक्षिण तक 3214 किमी. तथा पूर्व से पश्चिमी तक 2933 किमी. है।

➢ भारत की समुद्री सीमा मुख्य भूमि, लक्षद्वीप और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की तटरेखा की कुल लम्बाई 7,516.6 कि.मी है जबकि स्थलीय सीमा की लम्बाई 15,200 किमी. है। भारत की मुख्य भूमि की तटरेखा 6,100 किमी. है।

शीर्ष पाँच क्षेत्रफल वाले राज्य	
राज्य	**क्षेत्रफल वर्ग किमी.**
राजस्थान	342239
मध्यप्रदेश	308245
महाराष्ट्र	307713
उत्तर प्रदेश	240928
गुजरात	196024

शीर्ष पाँच भौगोलिक क्षेत्र वाले जिले भारत में	
जिला	**क्षेत्रफल वर्ग किमी.**
कच्छ	45652
लेह	45110
जैसलमेर	38428
बाड़मेर	28387
बीकानेर	27284

➢ क्षेत्रफल की दृष्टि से अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह सबसे बड़ा केन्द्र-शासित प्रदेश है।

➢ क्षेत्रफल की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र-शासित प्रदेश है।

➢ जनसंख्या की दृष्टि से दिल्ली सबसे बड़ा केन्द्र शासित प्रदेश है।

➢ जनसंख्या की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है।

➢ मध्य प्रदेश भारत का सबसे बड़ा पठारी राज्य है।

➢ मध्य प्रदेश में वन (जंगल) सबसे अधिक है।

➢ भारत में द्वीपों की कुल संख्या 248 है बंगाल की खाड़ी में 223 तथा अरब सागर में 25 द्वीप हैं ।

➢ पूर्वी घाट को कोरोमंडल तट के नाम से जाना जाता है।

➢ पश्चिमी घाट को मालाबार तट के नाम से जाना जाता है।

- उत्तर प्रदेश की सीमा सबसे अधिक राज्यों (8) को छूती है- उत्तरांचल, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड एवं बिहार।]
- भारत में सर्वाधिक नगरों वाला राज्य उत्तर प्रदेश है जबकि मेघालय में सबसे कम नगर हैं।
- भारत में सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला राज्य महाराष्ट्र है जबकि सबसे कम नगरीय जनसंख्या सिक्किम में है।
- भारत में राष्ट्रीय राज मार्ग की कुल लम्बाई 1,42,126 लगभग किमी. है।
- भारत का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 7 है जो बनारस से कन्याकुमारी तक जाता है (3,745 किमी.)।
- वर्ष 2020 में भारत में रेलमार्ग की कुल लम्बाई 67,956 किमी थी जबकि रनिंग ट्रैक लम्बाई सहित यह 99,235

किमी है। यार्ड, साइडिंग आदि मिलाकर कुल मार्ग 1,26,366 किमी है।

- तिरुअनन्तपुरम एवं कोचीन (केरल) नगरों में मानसून की सर्वप्रथम वर्षा होती है।

पड़ोसी देशों के मध्य सीमा विस्तार	
भारत-बांग्लादेश सीमा	4096 किमी.
भारत-चीन	3488 किमी.
भारत-पाक सीमा	3323 किमी.
भारत - नेपाल सीमा	1751 किमी.
भारत - म्यांमार सीमा	1643 किमी.
भारत - भूटान सीमा	699 किमी.
भारत – अफगानिस्तान	106 किमी. (वर्तमान में POK में स्थित है)

अध्याय – 2

भौतिक विभाजन

- भारत की स्थलाकृति को पांच भागों में बाँटा जा सकता है।
  - उत्तर भारत का पर्वतीय क्षेत्र
  - प्रायद्वीपीय पठार
  - मध्यवर्ती विशाल मैदान
  - तटवर्ती मैदान
  - द्वीप समूह

- **पर्वत**

1. उत्तर भारत का विशाल पर्वतीय क्षेत्र

- यह विश्व की सर्वोच्च पर्वतीय स्थलाकृति है ,जिसका विस्तार भारत के पश्चिम से लेकर पूर्व तक है/
- इस पर्वतीय श्रेणी को तीन भागों में बाँटा जा सकता है /
  1. ट्रांस हिमालय श्रेणी
  2. हिमालय पर्वत श्रेणी
  3. पूर्वांचल की पहाड़ियों

(A) ट्रांस हिमालय का निर्माण हिमालय से भी पहले हो चुका था इसके अन्तर्गत काराकोरम लद्दाख कैलाश व जास्कर श्रेणी आती है।

- इन श्रेणियों पर वनस्पति का अभाव पाया जाता है।
- काराकोरम श्रेणी - यह ट्रांस हिमालय की सबसे उत्तरी श्रेणी है।
- भारत की सबसे ऊंची चोटी k2 या गाडविन ऑस्टिन (8611 m) काराकोरम श्रेणी पर ही स्थित है।
  - यह विश्व की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है/
  - काराकोरम दर्रा एवं इंदिरा कॉल इसी दर्रा में स्थित है
  - काराकोरम दर्रा काराकोरम श्रृंखला पर स्थित कश्मीर को चीन से जोड़ने वाला संकीर्ण दर्रा है/
  - काराकोरम श्रृंखला पर भारत का सबसे लम्बा ग्लेशियर सियाचिन स्थित है ।
  - विश्व का सबसे ऊँचा सैनिक अड्डा (सियाचिन) यहीं अवस्थित है।
  - काराकोरम श्रेणी पर चार प्रमुख हिमनद (ग्लेशियर) स्थित हैं।

- सियाचिन (72 km)
- बाल्टोरों - (58km)
- बीयाफो – 63 km
- हिस्पर (61 Km)

(B) लद्दाख श्रेणी - विश्व की सबसे बड़ी ढाल वाली चोटी राकापोशी लद्दाख श्रेणी पर ही स्थित है ।

- लद्दाख श्रेणी दक्षिण पूर्व की ओर कैलाश श्रेणी के रूप में स्थित है। यह श्रेणी सिन्धु नदी व इसकी सहायक नदी के बीच जल विभाजक का कार्य करती है।
- यह भारत का न्यूनतम वर्षा वाला क्षेत्र है ।

सिन्धु नदी तंत्र

- सिन्धु नदी का क्षेत्रफल 11 लाख, 65 हजार वर्ग km हैं ।
- भारत में सिन्धु नदी का क्षेत्रफल 3,21,289 वर्ग किमी हैं।
- सिन्धु नदी की कुल लम्बाई 2,880 किमी. है।
- भारत में सिन्धु नदी की लम्बाई केवल 1,114 km हैं ।
- भारत में यह हिमालय की नदियों में सबसे पश्चिमी नदी है।
- सिन्धु नदी का उद्गम तिब्बती क्षेत्र में स्थित कैलाश पर्वत श्रेणी (मानसरोवर झील) में बोखर-चू के निकट एक चेमयांगडुंग ग्लेशियर (हिमनद) से होता है, जो 4,164 मीटर ऊँचाई पर स्थित हैं । तिब्बत में इसे शेर मुख कहते हैं ।
- **सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम सिन्धु नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं ।**
- अन्य सहायक नदियाँ – जास्कर, स्यांग, शिगार, गिलगिट, श्योक, हुंजा, कुर्रम, नुबरा, गास्टिंग व द्रास, गोमल ।
- सिन्धु नदी, कराची (पाकिस्तान) के निकट अरब सागर में जाकर गिरती है ।
- यह नदी अटक (पंजाब प्रांत, पाकिस्तान) के निकट पहाड़ियों से बाहर निकलती हैं । जहाँ दाहिने तट पर काबुल नदी इसमें मिलती है ।
- यह नदी दक्षिण की ओर बहती हुई मिठनकोट के निकट पंचनद का जल प्राप्त करती हैं ।
- पंचनद नाम पंजाब की पाँच मुख्य नदियों सतलज, व्यास, रावी, चिनाब, झेलम को संयुक्त रूप से दिया गया है ।
- सिन्धु और ब्रह्मपुत्र नदियों का उद्गम स्थल तिब्बत का पठार हैं ।
- तिब्बत के पठार से निकलने वाली अन्य नदियाँ - यांग्त्सी - क्यांग, जियांग, ह्वांगहो (पीली नदी, पीत), इरावदी, मेकांग एवं सतलज ।
- जास्कर नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर की सीमा पर सरचू के उच्च अक्षांशीय पठारी भाग से होता है ।
- यह नदी जास्कर श्रेणी में गहरे गॉर्ज का निर्माण करती है। तथा कठोर चट्टानी भागो से होकर बहती हैं ।
- यह पहले उत्तर फिर पूर्व की ओर बहते हुए नेमू के निकट सिन्धु नदी से मिल जाती हैं ।

सतलज नदी -

- यह एक पूर्ववर्ती नदी हैं ।
- यह तिब्बत में 4,555 मीटर की ऊँचाई पर मानसरोवर झील के निकट राक्षस ताल झील से निकलती हैं । वहाँ इसे लाँगचेन खंबाब के नाम से जाना जाता है ।
- सतलज नदी का संगम स्थल कपूरथला के द.- प. सिरे पर व्यास नदी में तथा मिठानकोट के निकट सिन्धु नदी में हैं।
- यह उत्तर - पश्चिम दिशा में बहते हुए इंड़ो - तिब्बत सीमा के समीप शिपकी ला दर्रे के पास भारत में प्रवेश करने से पहले लगभग 400 km तक सिन्धु नदी के समान्तर बहती है ।
- सतलज नदी की सहायक नदियाँ है –सिप्ती, वास्पा, व्यास
- यह हिमालय की श्रेणियों (महान हिमालय और जास्कर श्रेणी) को काटकर महाखड्ड का निर्माण करती हैं ।
- सतलुज, सिन्धु नदी की महत्त्वपूर्ण सहायक नदी हैं । यह भाखड़ा नांगल परियोजना के नहर तंत्र का पोषण करती है तथा आगे जाकर व्यास नदी में मिल जाती हैं ।

व्यास नदी (विपाशा नदी) :-

- यह सिन्धु की एक अन्य महत्त्वपूर्ण सहायक नदी है ।
- यह रोहतांग दर्रे के निकट व्यास कुंड़ से निकलती है ।
- यह नदी कुल्लू घाटी से गुजरती है ।
- यह धौलाधर श्रेणी में काती और लारगी में महाखण्ड़ का निर्माण करती है ।
- यह हरिके बेराज के पास सतलज नदी में जाकर मिल जाती है ।
- पार्वती, सैन्ज, तीर्थन, ऊहल इसकी सहायक नदियाँ है ।

रावी नदी (परुष्णी नदी या इरावती नदी)

- यह नदी सिन्धु की महत्त्वपूर्ण सहायक नदी है।
- जो हिमालय की कुल्लु की पहाड़ियों में स्थित रोहतांग दर्रे के पश्चिम से निकलती हैं तथा चंबा घाटी से होकर बहती है ।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले व सराय सिन्धु के निकट चिनाब नदी में मिलने से पहले यह नदी पीरपंजाल के दक्षिण-पूर्वी भाग व धौलाधर के बीच से प्रवाहित होती है ।
- अंत में ये झांग जिले की सीमा पर चिनाब नदी में मिल जाती है ।

- **चिनाब नदी (अस्किनी)**
- यह सिन्धु की सबसे बड़ी सहायक नदी है ।
- यह लाहुल में बरालाचाला दर्रे के विपरीत दिशा में चंद्रा और भाग नामक दो सरिताओं के मिलने से बनती है ।
- ये सरिताएँ हिमाचल प्रदेश में केलांग के निकट तांड़ी में आपस में मिलती हैं । इसलिए इसे चंद्रभागा के नाम से भी जाना जाता है ।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले भारत में इस नदी का बहाव क्षेत्र 1180 किमी. हैं ।
- यह त्रिमू के निकट झेलम नदी में जाकर मिलती है ।

झेलम नदी (वितस्ता)

- यह सिन्धु की सहायक नदी है ।
- जो कश्मीर घाटी के दक्षिण-पूर्वी भाग में पीरपंजाल गिरिपद में स्थित वेरीनाग के निकट शेषनाग झरने से निकलती है।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले यह नदी श्रीनगर और वुलर झील से बहते हुए एक तंग व गहरे महाखण्ड से गुजरती है ।
- पाकिस्तान में झंग के निकट यह चिनाब नदी से मिलती है ।

गंगा नदी तंत्र

- **गंगा नदी**
- गंगा नदी का उदगम् उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में गोमुख के निकट गंगोत्री हिमनद से हुआ है। जहां यह भागीरथी के नाम से जानी जाती है।
- गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किलोमीटर (उत्तराखंड) में 110 किलोमीटर उत्तरप्रदेश में 1450 किलोमीटर तथा बिहार में 445 km व पश्चिम बंगाल में 520 किलोमीट) हैं।
- उत्तराखंड में देवप्रयाग में भागीरथी, अलकनंदा नदी से मिलती है तथा इसके बाद यह गंगा कहलाती है ।
- अलकनंदा नदी का स्त्रोत बद्रीनाथ के ऊपर सतोपथ हिमनद से हुआ है।
- अलकनंदा, धौली गंगा और विष्णु गंगा धाराओं से मिलकर बनती है, जो जोशीमठ या विष्णु प्रयाग में मिलती है ।
- भागीरथी से देव प्रयाग में मिलने से पहले अलकनंदा से कई सहायक नदियाँ आकर मिलती हैं।

स्थान	नदी संगम
विष्णु प्रयाग	धौलीगंगा + अलकनंदा
नंद प्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
कर्ण प्रयाग	पिंडार + अलकनंदा
रूद्रप्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
देवप्रयाग	भागीरथी + अलकनंदा

- गंगा नदी हरिद्वार (उत्तराखंड) के बाद मैदानी क्षेत्रो में प्रवेश करती है तथा अपने दक्षिण पूर्व में बहते हुए इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में पहुँचती है जहाँ इससे यमुना नदी (गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी) आकर मिलती हैं।
- इसके बाद यह बिहार व पश्चिम बंगाल मे प्रवेश करती है। पश्चिम बंगाल में यह दो वितरिकाओं (धाराओं) में विभाजित हो जाती है। एक धारा हुगली नदी कहलाती है जो कलकत्ता में चली जाती है तथा मुख्य धारा पश्चिम बंगाल बहती हुए बांग्लादेश में प्रवेश कर जाती हैं।
- बांग्लादेश में प्रवेश करने के बाद इससे ब्रह्मपुत्र नदी आकर मिलती है इसके बाद यह पदमा के नाम से जानी जाने लगती हैं ।
- अन्त में यह बंगाल की खाड़ी में अपना जल गिराती हैं।
- **गंगा की प्रमुख सहायक नदियाँ है** -यमुना (सबसे लम्बी सहायक नदी), रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी, महानंदा, सोन (दाहिनी तरफ से) इत्यादि।

यमुना नदी –

- इस नदी का उद्गम उत्तराखंड में बदरपूंछ श्रेणी की पश्चिमी ढाल पर स्थित यमुनोत्री हिमनद से हुआ है।
- यमुना नदी गंगा की सबसे पश्चिमी व सबसे लम्बी नदी हैं। जो गंगा से इलाहाबाद में आकर मिलती है।
- प्रायद्वीप पठार से निकलने वाली चंबल सिंध, बेतवा केन इसके दाहिने तट पर मिलने वाली सहायक नदियाँ हैं इसके बाएँ तट पर हिंडन रिंद सेंगर वरुणा आदि नदियाँ मिलती हैं।
- चम्बल नदी मध्यप्रदेश के मालवा पठार में मह् के निकट निकलती है तथा राजस्थान के कोटा में बहते हुए उत्तरप्रदेश में यमुना से आकर मिलती है यह अपनी 'उत्खात् भूमि' (Badlond Topography) के लिए प्रसिद्ध है।
- **रामगंगा नदी**- उत्तराखण्ड में गॅरसेन के निकट गढ़वाल की पहाड़ियों से निकलती है तथा कन्नौज उत्तरप्रदेश में गंगा से आकर मिल जाती है ।
- **गोमती नदी**- पीलीभीत जिलें से निकलती है तथा गाजीपुर में गंगा नदी से मिलती है। लखनऊ व जौनपुर इसी के किनारे बसे हैं ।
- **घाघरा नदी**- तिब्बत के पठार में स्थित मापचाचुंगों हिमनद से निकलती हैं तथा बाराबंकी जिला में शारदा नदी (काली गंगा) इससे आकर मिलती है। और अन्ततः यह छपरा (बिहार) में गंगा से मिलती हैं
- **सोन नदी**- यह मध्यप्रदेश में अमरकंटक की पहाड़ियों से निकलती है तथा पटना से पहले गंगा के दायीं तट से इससे मिल जाती हैं ।
- **गंडक नदी** – नेपाल (धौलागिरि व माउंट एवरेस्ट) से इसका उद्गम होता है तथा यह अन्ततः सोनपुर (बिहार) में गंगा से मिल जाती है ।
- इसकी सहायक नदियाँ है –काली गंडक, त्रिशूली गंगा ।
- बिहार में निर्मित त्रिवेणी नहर में गंडक नदी से पानी आता है ।
- **कोसी नदी** - इसका स्त्रोत तिब्बत में माउंट एवरेस्ट के उत्तर में है जहाँ से इसकी मुख्य धारा अरुण निकलती है। कोसी नदी को बिहार का शोक कहा जाता है।
- इसका संगम स्थल भागलपुर जनपद में काढ़ागोला के दक्षिण-पश्चिम में गंगा नदी में है ।
- इसकी सहायक नदियाँ है – सनकोसी, ताम्र कोसी, लिक्षु कोसी, तलखु, दूध कोसी, अरुण, तामुर कोसी ।
- **ब्रह्मपुत्र नदी** - ब्रह्मपुत्र नदी का उद्गम हिमालय के उत्तर में स्थित मानसरोवर झील के निकट चेमयांगडुंग ग्लेशियर (हिमनद) से होता है।
- तिब्बत में ब्रह्मपुत्र को सांग्पो (Tsangpo) के नाम से जाना जाता है। नामचा बरवा के निकट हिमालय को काटकर तथा "U" टर्न बनाते हुए गहरे गार्ज (महाखंड) का निर्माण करती है और दिहांग के नाम से भारत में प्रवेश करती है। कुछ दूर तक दक्षिण-पश्चिम दिशा में बहने के बाद इसकी दो प्रमुख सहायक नदियाँ दिवांग और लोहित इसके बाएँ किनारे पर आकर मिलती है। इसके बाद इस नदी को ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है।

विश्व भूगोल

- **ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल**

- ब्रह्मांड का अध्ययन खगोलिकी कहलाता है।
- महाविस्फोट सिद्धांत (big-bang theory) ब्रह्मांड की उत्पत्ति से संबंधित है ।
- ब्रह्मांड दिखाई पड़ने वाले समस्त आकाशीय पिंड को ब्रह्मांड कहते हैं। ब्रह्मांड विस्तारित हो रहा है ब्रह्मांड में सर्वाधिक संख्या तारों की है।

तारा

- वैसा आकाशीय पिंड जिसके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश हो तारा कहलाता है।
- तारा बनने से पहले विरल गैंस का गोला होता है।
- जब ये विरल गैंस केंद्रित होकर पास आ जाते हैं तो घने बादल के समान हो जाते हैं जिन्हें निहारिका कहते हैं।
- जब इन नेबुला में सलंयनविधि द्वारा दहन की क्रिया प्रारंभ हो जाती हैं तो वह तारों का रूप ले लेता है।
- तारों में हाइड्रोजन का सलंयन हिलियम में होता रहता है । तारों में इंधन प्लाज्मा अवस्था में होता है।
- तारों का रंग उसके पृष्ठ ताप पर निर्भर करता है ।
- लाल रंग - निम्न ताप (6 हजार डिग्री सेल्सियस)
- सफेद रंग - मध्यम ताप
- नीला रंग - उच्च ताप

तारों का भविष्य उसके प्रारंभिक द्रव्यमान पर निर्भर करता है।

- जब तारा सूर्य का ईंधन समाप्त होने लगता है तो वह लाल दानव का रूप ले लेता है और लाल दानव का आकार बड़ा होने लगता है।
- यदि लाल दानों का द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान के 1.44 गुना से छोटा होता है तो वह श्वेत वामन बनेगा।

सौर मंडल

- सूर्य तथा उसके आसपास के ग्रह, उपग्रह तथा शुद्र ग्रह, धूमकेतु, उल्कापिंड उनके संयुक्त समूह को सौरमंडल कहते हैं ।
- सूर्य सौरमंडल के केंद्र में स्थित है ।
- सौरमंडल में जनक तारा के रूप में सूर्य है।
- सौर मंडल के सभी पिंड सूर्य का चक्कर लगाते हैं।

सूर्य

- यह हमारा सबसे निकटतम तारा है सूर्य सौरमंडल के बीच में स्थित है। सूर्य की आयु लगभग 15 अरब वर्ष है जिसमें से वह 5 अरब वर्ष जि चुका है।
- सूर्य के अंदर हाइड्रोजन का हिलियम में संलयन होता है और ईंधन प्लाज्मा अवस्था में रहता है।
- आंतरिक संरचना के आधार पर सूर्य को तीन भागों में बांटते हैं।

सूर्य की बाहरी परत

- सूर्य के बाहर उसकी तीन परतें हैं ।

1. **प्रकाश मंडल**

- यह सूर्य का दिखाई देने वाला भाग है इसका तापमान 6000 डिग्री सेल्सियस होता है।

2. **वरुण मंडल**

- यह बाहरी परत के आधार पर मध्य भाग है इसका तापमान 32400 डिग्री सेल्सियस होता है।

3. **(corona)**

- यह सूर्य का सबसे बाहरी परत होता है जो लपट के समान होता है इसे केवल सूर्य ग्रहण के समय देखा जाता है इसका तापमान 27lac डिग्री सेल्सियस होता है।
- सूर्य में 75% हाइड्रोजन तथा 24% हिलीयम है ।
- शेष तत्व की मात्रा 1% में ही निहित है ।
- सूर्य का द्रव्यमान पृथ्वी से 332000 गुना है ।
- सूर्य का व्यास पृथ्वी से 109 गुना है ।
- सूर्य का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी से 28 गुना है ।
- सूर्य का घनत्व पृथ्वी से 20 गुना है।
- सूर्य से प्रति सेकंड 10^{26} जूल ऊर्जा निकलती है ।
- सूर्य पश्चिम से पूरब घूर्णन करता है।
- सूर्य का विषुवत रेखीय भाग 25 दिन में घूर्णन कर लेता है।
- सूर्य का ध्रुवीय भाग 31 दिन में घूर्णन कर लेता है ।

ग्रह

- वैसा आकाशीय पिंड जिसके पास ना अपनी ऊष्मा हो और ना ही अपना प्रकाश हो वह ऊष्मा तथा प्रकाश के लिए अपने निकटतम तारे पर आश्रित हो।तथा उसी का चक्कर लगाता हो प्रारंभ मे ग्रहों कि संख्या 9 थी परंतु वर्तमान में 8 ग्रह है ग्रहों को 2 श्रेणियों में बांटते है ।

पार्थिव

- इन्हें आंतरिक ग्रह भी कहते हैं ।
- यह पृथ्वी से समानता रखते हैं ।
- इनका घनत्व अधिक होता है तथा यह ठोस अवस्था में होते हैं ।
- इनके उपग्रह कम होते हैं या होते ही नहीं है इन ग्रहों की संख्या चार होती है।

a. बुध
b. शुक्र
c. पृथ्वी
d. मंगल

जोवियन ग्रह

- इसे बाह्य ग्रह कहते हैं। यह बृहस्पति से समानता रखते हैं ।इनका आकार बड़ा होता है किन्तु घनत्व कम होता है, यह गैस की अवस्था में पाए जाते हैं।

इनके उपग्रहों की संख्या अधिक है।

प्लूटो

- यह नौवां ग्रह था । किन्तु 24 अगस्त 2006 को चेक गणराज्य की राजधानी प्राग में अंतरराष्ट्रीय खगोल खंड की बैठक हुई जिसमें प्लूटो को ग्रह की श्रेणी से निकालकर बोना ग्रह में डाल दिया ।
- प्लूटो को ग्रह की श्रेणी से निकालने के तीन कारण थे

1. इसका आकार अत्यधिक छोटा था
2. इसकी कक्षा दीर्घ वर्तीय नहीं थी
3. इसकी कक्षा वरुण की कक्षा को काटती थी

उपग्रह

- इनके पास ऊष्मा और प्रकाश दोनों नहीं था ।
- यह अपने निकटतम तारे से ऊष्मा और प्रकाश लेते हैं किन्तु यह चक्कर अपने निकटतम ग्रह का लगाते हैं ।

उपग्रह दो प्रकार के होते हैं

1. **प्राकृतिक उपग्रह** - चंद्रमा
2. **कृत्रिम उपग्रह** - यह मानव निर्मित होते हैं संचार तथा मौसम की भविष्यवाणी करता है।

सूर्य से दूरी के अनुसार ग्रह

1. बुध
2. पृथ्वी
3. बृहस्पति
4. अरुण
5. शुक्र
6. मंगल
7. शनि
8. वरुण

पृथ्वी से दूरी के अनुसार

1. शुक्र
2. मंगल
3. बुध
4. बृहस्पति
5. शनि
6. अरुण
7. वरुण

आकार के अनुसार ग्रह

1. बृहस्पति
2. शनि
3. अरुण
4. वरुण
5. पृथ्वी
6. शुक्र
7. मंगल
8. बुध

आंखों से हम पांच ग्रहों को देख सकते हैं ।

1. बुध
2. शुक्र
3. मंगल
4. बृहस्पति
5. शनि

उल्टा घूमने वाले ग्रह पूरब से पश्चिम

- शुक्र तथा अरुण
- सर्वाधिक घनत्व पृथ्वी का तथा कम घनत्व शनि का ।
- सबसे बड़ा उपग्रह बृहस्पति का गेनीमेड और सबसे छोटा उपग्रह मंगल का डिवोर्स है ।
- सबसे तेज घूर्णन बृहस्पति सबसे धीमा घूर्णन शुक्र 249 दिन ।
- सबसे तेज परिक्रमण वर्ष की अवधि बुध 88 दिन सबसे धीमा शुक्र 164 साल।
- सबसे गर्म ग्रह शुक्र सबसे ठंडा ग्रह अरुण वरुण है।

Gold lock zone

- अंतरिक्ष का वह स्थान जहां जीवन की संभावना पाई जाती है उसे गोल्डी लॉक्स जोन कहते हैं ।
- केवल पृथ्वी पर जीवन संभव है ।
- मंगल पर इसकी संभावना है ।
- जीवन की उत्पत्ति के लिए कपास का पौधा अंतरिक्ष पर भेजा गया ।

बुध ग्रह (मरकरी)

- इसका नामकरण रोमन संदेशवाहक देवता के नाम पर हुआ है ।
- इस ग्रह का वायुमंडल नहीं है किन्तु बहुत ही कम मात्रा में वहां ऑक्सीजन पाई जाती है ।
- वायुमंडल ना होने के कारण यह ऊष्मा को रोक नहीं पाता है। जिस कारण दिन में इसका तापमान 420 डिग्री सेल्सियस तथा रात को -180 डिग्री सेल्सियस तापमान हो जाता है अर्थात इस ग्रह पर सर्वाधिक तापांतर 600 डिग्री सेल्सियस का देखा जाता है अतः यहां जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है ।
- वायुमंडल ना होने के कारण इस ग्रह पर सर्वाधिक उल्का पात हुआ है ।
- सबसे बड़ा क्रेटर कोरोलिस बेलिस है ।

शुक्र

- ➤ इस ग्रह पर सर्वाधिक मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड पाया जाता है ।
- ➤ यह सूर्य से आने वाली सभी ऊष्मा को अवशोषित कर लेता है
- ➤ इसे सबसे गर्म तथा चमकीला ग्रह कहते है ।
- ➤ इसे सौरमंडल की परी कहते हैं
- ➤ इस पर प्रेशर कुकर के समान स्थिति पाई जाती है जिस कारण इसे दम घुटने वाला कहते हैं ।
- ➤ यह पृथ्वी से समानता रखता है अतः इसे पृथ्वी का सहोदर, भगिनी, जुड़वा बहन कहते हैं ।
- ➤ यह अपने अक्ष पर उल्टा अर्थात पूर्व से पश्चिम घूमता है जिस कारण यहां सूर्योदय पश्चिम में होता है ।

अध्याय - 2

दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश

गुलाम वंश से लेकर लोदी वंश

दिल्ली सल्तनत

दिल्ली सल्तनत के क्रमानुसार पाँच वंश निम्नलिखित थे -

गुलाम वंश के शासक –

कुतुबुद्दीन ऐबक (1206-1210 ई. तक)

- भारत में तुर्की राज्य /दिल्ली सल्तनत /मुस्लिम राज्य की स्थापना करने वाला शासक ऐबक ही था।
- गुलाम वंश की स्थापना कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1206 ई. में की थी । इसने अपनी राजधानी लाहौर में बनाई ।
- ऐबक का अर्थ होता है चंद्रमुखी ।
- ऐबक के राजवंश को कुतुबी राजवंश के नाम से जन जाता है ।
- मुहम्मद गौरी ने ऐबक को अमीर-ए-आखूर अस्तबलों का प्रधान के पद पर नियुक्त किया।
- 1192 ई. के तराईन के युद्ध में ऐबक ने गौरी की सहायता की।
- तराईन के द्वितीय युद्ध के बाद गौरी ने ऐबक को अपने मुख्य भारतीय प्रदेशों का सूबेदार नियुक्त किया।
- जून 1206 में राज्याभिषेक करवाया तथा सुल्तान की बजाय मलिक/सिपहसालार की उपाधि धारण की यह उपाधि इसे मुहम्मद गौरी ने दी थी ।
- इसने अपने नाम के सिक्के भी नहीं चलाये एवं अपने नाम का खुतबा पढ़वाया (खुतबा एक रचना होती थी जो मौलवियों से सुल्तान शुक्रवार की रात को नजदीक की मस्जिद में अपनी प्रंशसा में पढ़वाते थे ।)खुतबा शासक की संप्रभूता का सूचक होता था।
- ऐबक ने प्रारंभ इंद्रप्रस्थ में दिल्ली के पास को सैनिक मुख्यालय बनाया तथा कुछ समय बाद यल्दौज तथा कुबाजा (मुहम्मद गौरी के दास) के संघर्ष को देखते हुए लाहौर को अपनी राजधानी बनाया।
- ऐबक ने यल्दौज पर आक्रमण कर गजनी पर अधिकार कर लिया, लेकिन गजनी की जनता यल्दौज के प्रति वफादार थी तथा 40 दिनों के बाद ऐबक ने गजनी छोड़ दिया ।

ऐबक की मृत्यु –

- 1210 ई. में लाहौर में चौगान पोलो खेलते समय घोड़े से गिर जाने के कारण ऐबक की मौत हो गई। इसका मकबरा लाहौर में ही बनाया गया है ।
- भारत में तुर्की राज्य का वास्तविक संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक को मान जाता है ।
- भारत में मुस्लिम राज्य का संस्थापक मुहम्मद गौरी को माना जाता है । स्वतंत्र मुस्लिम राज्य का संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक को माना जाता है ।
- कुत्तुबुद्दीन ऐबक के दरबार में हसन् निजामी एवं फख-ए-मुदब्बिर आदि प्रसिद्ध विद्वान थे ।
- 'कुव्वत-उल-इस्लाम -"अढ़ाई दिन का झोंपड़ा बनवाया। तथा 'कुतुबमीनार 'का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने शुरू करवाया और इल्तुतमिश ने पूरा किया। कुतुबमीनार शेख ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की स्मृति में बनवाया गया है ।
- कुतुबुद्दीन ऐबक को अपनी उदारता एवं दानी प्रवृति के कारण लाखबख्श (लाखों का दानी)कहा गया है ।
- इतिहासकार मिन्हाज ने कुतुबुद्दीन ऐबक को उसकी दानशीलता के कारण हातिम द्वितीय की संज्ञा दी है ।
- प्राचीन नालन्दा विश्वविद्यालय को ध्वस्त करने वाला ऐबक का सहायक सेनानायक बख्तियार खिलजी था ।

इल्तुतमिश (1210-1236 ई.)

- मलिक शम्सुद्दीन इल्तुतमिश ऐबक का दामाद था, न कि उसका वंशज। इल्तुतमिश का शाब्दिक अर्थ राज्य का रक्षक स्वामी होता है।। उसका समानार्थक शब्द आलमगीर या जहाँगीर विश्व विजेता भी होता है ।
- ऐबक की मृत्यु के समय इल्तुतमिश बदायूँ यू.पी. का इक्तेदार था।
- इल्तुतमिश दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक तथा प्रथम वैधानिक सुल्तान था। जिसने दिल्ली को अपने राजधानी बनाया ।
- इसने 1229 ई. में बगदाद के खलीफा अल-मुंतसिर-बिल्लाह से सुल्तान की उपाधि व खिलअत इजाजत प्राप्त की।
- इल्तुतमिश ने अपने नाम का खुतबा पढ़वाया तथा मानक सिक्कें टंका चलाया था। टंका चांदी का होता था (1 टंका =48 जीतल)
- इल्तुतमिश यह पहला मुस्लिम शासक था जिसने सिक्कों पर टकसाल का नाम अंकित करवाया था।
- शहरों में इल्तुतमिश ने न्याय के लिए काजी, अमीर-ए-दाद जैसे अधिकारी नियुक्त किये।
- इल्तुतमिश ने अपने 40 तुर्की सरदारों को मिलाकर तुर्कान-ए-चहलगामी नामक प्रशासनिक संस्था की स्थापना की थी।

इक्ता प्रणाली का संस्थापक -

- इल्तुतमिश ने प्रशासन में इक्ता प्रथा को भी स्थापित किया। भारत में इक्ता प्रणाली का संस्थापक इल्तुतमिश ही था। इक्ता का अर्थ है – धन के स्थान पर तनख्वाह के रूप में भूमि प्रदान करना ।
- इसने दोआब गंगा-यमुना क्षेत्र में हिन्दुओं की शक्ति तोड़ने के लिए शम्सीतुर्की उच्च वर्ग सरदारों को ग्रामीण क्षेत्र में इक्तायें जागीर बांटी।
- 1226 में रणथंभौर पर आक्रमण
- 1227 में नागौर पर आक्रमण

- 1232 में मालवा पर आक्रमण - इस अभियान के दौरान इल्तुतमिश उज्जैन से विक्रमादित्य की मूर्ति उठाकर लाया था।
- 1235 में ग्वालियर का अभियान -इस अभियान के दौरान इल्तुतमिश ने अपने पुत्रों की बजाय पुत्री रजिया को उत्तराधिकारी घोषित किया।
- 1236 ई. में बामियान अफगानिस्तान पर आक्रमण । यह इल्तुतमिश का अंतिम अभियान था।
- इल्तुतमिश पहला तुर्क सुल्तान था जिसने शुद्ध अरबी सिक्के चलाये ।
- इल्तुतमिश के दरबार में मिन्हाज-उस-सिराज मलिक दाजुद्दीन को संरक्षण मिला ।
- अजमेर की मस्जिद का निर्माण इल्तुतमिश ने करवाया था।
- इल्तुतमिश से सम्बन्धित 'हश्म-ए-कल्ब 'या कल्ब-ए-सुल्तानी सुल्तान द्वारा स्थापित सेना को कहा जाता था ।
- इल्तुतमिश को भारत में गुम्बद निर्माण का पिता कह जाता है उसने सुल्तानगढ़ी का निर्माण करवाया ।

निर्माण कार्य-

- स्थापत्य कला के अन्तर्गत इल्तुतमिश ने कुतुबुद्दीन ऐबक के निर्माण कार्य कुतुबमीनार को पूरा करवाया। भारत में सम्भवतः पहला मकबरा निर्मित करवाने का श्रेय भी इल्तुतमिश को दिया जाता है ।
- इल्तुतमिश ने बदायूँ की जामा मस्जिद एवं नागौर में अतारकिन के दरवाजा का निर्माण करवाया। उसने दिल्ली में एक विद्यालय की स्थापना की।

मृत्यु -

- बयाना पर आक्रमण करने के लिए जाते समय मार्ग में इल्तुतमिश बीमार हो गया। इसके बाद इल्तुतमिश की बीमारी बढ़ती गई। अन्ततः अप्रैल 1236 में उसकी मृत्यु हो गई।
- इल्तुतमिश प्रथम सुल्तान था, जिसने दोआब के आर्थिक महत्व को समझा था और उसमें सुधार किया था।
- इल्तुतमिश का मकबरा दिल्ली में स्थित है जो एक कक्षीय मकबरा है ।

रजिया सुल्तान (1236-1240 ई).

- सुल्ताना रजिया (उसका पुरा नाम'जलॉलात उद-दिन-रजिया था)का जन्म -1205 ई. में बदायूँ में हुआ था, उसने उमदत -उल -निस्वाँ की उपाधि ग्रहण की ।
- रजिया ने पर्दा प्रथा को त्यागकर पुरुषों के समान काबा चोगा पहनकर दरबार की कारवाई में हिस्सा लिया।
- दिल्ली की जनता ने उसे 'रजिया सुल्तान' मानकर दिल्ली की गद्दी पर बैठा दिया। हालांकि वजीर जुनैदी उससे प्रसन्न नहीं था इसलिए इस समय उसने ही रजिया के सिंहासनारोहरण का विरोध किया। रजिया ने उसके बाद वजीर का पद ख्वाजा मुहाजबुद्दीन को दिया।
- वह दिल्ली सल्तनत की पहली एवं आखिरी मुस्लिम महिला शासिका थी।
- 'सुल्तान रजियत अल दुनिया वाल दीन बिन्त अल सुल्तान' के रूप में सिक्के ढाले गये।
- शासक बनने पर रजिया ने उदमत-उल-निस्वां की उपाधि धारण की।
- रजिया ने प्रथम अभियान 'रणथम्भौर' पर किया तदुपरान्त ग्वालियर पर हमला किया गया। हालांकि दोनों अभियान असफल रहे।
- रजिया ने महिला वस्त्र त्यागकर पुरूषों के वस्तु काबा (कुर्ता) एवं कुलाह(पगड़ी) धारण करने लगी।
- रजिया ने अल्तुनिया से शादी कर ली। अक्टूबर 1240 ई. में कैथल में डकैतों ने रजिया एवं अल्तुनिया की हत्या कर दी। और इस तरह 3 वर्ष 6 माह और 6 दिन तक शासन करने वाली रजिया का अन्त हुआ।"

मुइजुद्दीन बहरामशाह (1240-1242 ई)

- बहरामशाह एक मुस्लिम तुर्की शासक था, जो दिल्ली का सुल्तान था। बहरामशाह गुलाम वंश का था। रजिया सुल्तान को अपदस्थ करके तुर्की सरदारों ने मुइजुद्दीन बहराम शाह को दिल्ली के तख्त पर बैठाया (1240-1242 ई)
- यह इल्तुतमिश का पुत्र तथा रजिया का भाई था।

अलाउद्दीन मसूद शाह (1242-1246 ई)

- मसूद का शासन तुलनात्मक दृष्टि से शांतिपूर्ण रहा। इस समय सुल्तान तथा सरदारों के मध्य संघर्ष नहीं हुए।
- वास्तव में यह काल बलबन की 'शांति निर्माण' का काल था।

नासिरुद्दीन महमूद (1246-1265 ई)

- यह एक तुर्की शासक था, जो दिल्ली सल्तनत का सुल्तान बना। यह भी गुलाम वंश से था।
- महमूद के शासनकाल में समस्त शक्ति बलबन के हाथों में थी। प्रारंभ में बलबन चहलगामी का सदस्य था।
- बलबन ने अपनी पुत्री का विवाह नासिरुद्दीन महमूद से कर दिया। सुल्तान ने बलबन को सेना पर पूर्ण नियंत्रण के साथ नायब-ए-ममलिकात का पद दिया।
- सद्र-उस-सुदूर धार्मिक विभाग से संबंधित है ।
- अमीर-एक-आखूर अश्वशाला का प्रधान होता था ।
- सर-ए-जानदार सुल्तान के अंगरक्षकों का प्रमुख होता था।

ग्यासुद्दीन बलबन 1266-1287

- बलबन ने बलबनी वंश की स्थापना की ।
- इल्तुतमिश ने बलबन को ग्वालियर विजय के बाद खरीदा और उसकी योग्यता से प्रभावित हो कर उसे खासदार का पद सौंपा दिया।
- बलबन ने गद्दी पर बैठते ही सर्वप्रथम सुल्तान के पद की गरिमा कायम की और दिल्ली सल्तनत की सुरक्षा के प्रबंध किया ।
- जो इल्तुतमिश ने चालीसा दल बनाया था उसे बलबन ने नष्ट कर दिया।

- बलबन दिल्ली सल्तनत का एक पहला ऐसा व्यक्ति था, जो सुल्तान न होते हुए भी सुल्तान के छत्र का प्रयोग करता था
- बलबन पहला शासक था जिसने सुल्तान के पद और अधिकारों के बारे में विस्तृत रूप से विचार प्रस्तुत किये।
- वह कुरान के नियमों को शासन व्यवस्था का आधार मानता था उसके अनुसार सुल्तान पृथ्वी पर ईश्वर का प्रतिनिधि होता है ।
- बलबन ने सुल्तान की प्रतिष्ठा को स्थापित करने के लिए "रक्त और लौह नीति" अपनाई ।
- बलबन ने कहा कि सुल्तान का पद ईश्वर के समान होता हैं तथा सुल्तान का निरंकुश होना जरुरी है।
- बलबन के अनुसार राजा को शक्ति ईश्वर से प्राप्त होती हैं इसलिए उसके कार्यों की सार्वजनिक जाँच नहीं की जा सकती।
- बलबन ने ईरानी परम्पराओं के अनुसार कई परम्पराएँ आरंभ करवाई उसे "सिजदा" (भूमि पर लेट कर अभिवादन करना (और'पैबोस' (सुल्तान के चरणों को चूमना (जैसी व्यवस्था भी लागू की जिनका उद्देश्य साफ तौर पर सुल्तान की प्रतिष्ठा में वृद्धि करना था।
- बलबन ने फारसी रहन-सहन की परम्पराओं को भी अपनाया उसने अपने पौत्रो के नाम भी फारसी सम्राटों की तरह कैकुबाद, कैखुसरों आदि रखे ।
- दीवान-ए-कोही कृषि के विकास के लिए एक विभाग होता था ।
- दीवान-ए-कजा यह न्याय विभाग से संबंधित था ।
- दीवान-ए-बरीद यह गुप्तचर विभाग से संबंधित था ।
- दीवान-ए-अर्ज सैन्य विभाग से संबंधित है ।
- सल्तनत काल में सुल्तान को सहायता प्रदान करने के लिए गठित मंत्रिपरिषद् को मजलिस-ए-खलवत के नाम से जाना जाता था ।
- दिल्ली सल्तनत में निरंकुश राजतंत्र की स्थापना बलबन ने की थी ।
- बलबन के दरबार में प्रत्येक वर्ष ईरानी त्यौहार 'नौरोज' काफी धूमधाम से मनाया जाता था इसकी शुरुआत बलबन के समय से ही हुई।
- बलबन ने नवरोज उत्सव शुरु करवाया, जो फारसी (ईरानी) रीति-रिवाज पर आधारित था।
- बलबन के दरबार में फारसी के प्रसिद्ध कवि अमीर खुसरों-एं-अमीर हसन् रहते थे अमीर खुसरों ने अपना साहित्यक जीवन शहजादा मुहम्म्द के संरक्षण में शुरु किया ।
- बलबन ने चालीसा का दमन कर दिया क्योंकि यही संस्था राजनीतिक अस्थिरता के लिए उत्तरदायी थी।
- चालीसा द्वारा इल्तुतमिश के बाद के 30 वर्षों में उसके वंश के 5 शासक बनाये गये और मारे गये। यह साजिश का केन्द्र था और इसी के कारण सुल्तान का पद गौरवहीन था।
- अपनी शक्ति को समेकित करने के बाद बलबन ने "जिल्ले – इलाही " की उपाधि धारण की ।
- पूर्व सुल्तान नसीरुद्दीन महमूद ने बलबन को उलुग खाँ की उपाधि दी थी ।
- बलबन ने दीवान-ए-अर्ज (सैन्य विभाग) की स्थापना की ।
- बलबन के बलबनी / गुलाम वंश का अंतिम शासक शम्सुद्दीन कैमुर्स था ।

कैकुबाद अथवा 'कैकोबाद' (1287-1290 ई.

- 17-18 वर्ष की अवस्था में दिल्ली की गद्दी पर बैठाया गया था।
- कैकूबाद के पूर्व बलबन ने अपनी मृत्यु के पूर्व कैखुसरों को अपना उतराधिकारी नियुक्त किया था। लेकिन दिल्ली के कोतवाल फखरुद्दीन मुहम्मद ने बलबन की मृत्यु के बाद कूटनीति के द्वारा कैखुसरों को मुल्तान की सूबेदारी देकर कैकुबाद को दिल्ली की राजगद्दी पर बैठा दिया।
- अफ्रीकी यात्री इब्नबतूता ने कैकुबाद के समय में यात्रा की थी, उसने सुल्तान के शासन काल को 'एक बड़ा समारोह' की संज्ञा दी।
- प्रशासन के कार्यों में उसे अक्षम देखकर तुर्क सरदारों ने उसकी तीन वर्षीय पुत्र शम्सुद्दीन कैमुर्स को सुल्तान घोषित कर दिया।
- कालान्तर में जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ने उचित अवसर देखकर शम्सुद्दीन का वध कर दिया।
- शम्सुद्दीन की हत्या के बाद जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ने दिल्ली के तख्त पर स्वयं अधिकार कर लिया।
- इस प्रकार से बाद में दिल्ली की राजगद्दी पर खिलजी वंश की स्थापना हुई।
- ताजुल मासिर के लेखक हसन निजामी थे ।
- तारीख-ए-दिल्ली ग्रन्थ के लेखक खुसरो थे ।
- रेहला ग्रन्थ के लेखक इब्नबतूता ।
- संगीत राज के लेखक राणा कुम्भा ।
- रागमाला के लेखक पुंडीरक विट्ठल ।
- तारीख-ए-मुहम्मदी के लेखक मुहम्मद विहमद खान थे।
- खजाइन-उल-फुतुह के लेखक अमीर खुसरो थे ।
- तारीख-ए-यामिनी के लेखक उत्बी थे ।
- तारीख-ए-हिंद अलबरुनी थे ।
- हिन्दू मुस्लिम गान-वाद्यों का सर्वश्रेष्ठ मिश्रण संगीत वाद्य यंत्र सितार को माना गया है ।
- अमीर खुसरो ने खड़ी बोली भाषा के विकास में अग्रणी भूमिका निभाई है ।
- तूती-ए-हिन्द के नाम से विख्यात अमीर खुसरो का जन्म पटियाली (एटा) में हुआ था । तथा वे कवि, इतिहासकार तथा संगीतज्ञ थे ।

रंगराजन विशेषज्ञ समूह 2014 की रिपोर्ट के अनुसार निर्धनता अनुपात	
सर्वाधिक निर्धनता अनुपात वाले राज्य	
राज्य	प्रतिशत (%)
छत्तीसगढ़	47.9
मणिपुर	46.7
ओडिशा	45.9
सबसे कम निर्धनता अनुपात वाले राज्य	
गोवा	6.3
हिमाचल प्रदेश	10.9
केरल	11.3
सर्वाधिक निर्धनता अनुपात वाले केन्द्रशासित राज्य	
दादर एवं नगर हवेली	35.6
चंडीगढ़	21.3
दिल्ली	15.6
सबसे कम अनुपात निर्धनता वाले केन्द्रशासित राज्य	
अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	6.0
लक्ष्यद्वीप	6.5
दमन और दीव	13.7

- समिति ने सिफारिश की कि –
- आय विधि के स्थान पर उपयोग विधि का उपयोग किया जाए।
- गरीबी की मौद्रिक परिभाषा में समायोजन के लिए WPI आधारित महंगाई के आंकड़े के स्थान पर CPI आधारित महंगाई के आंकड़े का उपयोग किया जाए।

विविध

- **महत्वपूर्ण दिवस**

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस

जनवरी	**समारोह की तिथि**
प्रवासी भारतीय दिवस	09 जनवरी
राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
सड़क सुरक्षा सप्ताह	11 - 17 जनवरी
सेना दिवस	15 जनवरी
राष्ट्रीय बालिका दिवस	24 जनवरी
सुभाष चन्द्र का जन्मदिन	23 जनवरी
गणतंत्र दिवस - 26 जनवरी	26 जनवरी
शहीद दिवस	30 जनवरी
फरवरी	**समारोह की तिथि**
विश्व कैंसर दिवस	4 फरवरी
वेलेंटाइन्स डे	14 फरवरी
संत रविदास जयंती	27 फरवरी
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी
मार्च	**समारोह की तिथि**
राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	4 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च
ऑर्डनेंस फैक्ट्री डे	18 मार्च
विश्व जल दिवस	22 मार्च
शहीद दिवस	23 मार्च and 30 जनवरी
अप्रैल	**समारोह की तिथि**
विश्व स्वास्थ्य दिवस	7 अप्रैल
जलियांवाला बाग नरसंहार	13 अप्रैल
अम्बेडकर जयंती	14 अप्रैल
विश्व पृथ्वी दिवस	22 अप्रैल
विश्व पुस्तक दिवस	23 अप्रैल
मई	**समारोह की तिथि**
अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस	1 मई

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस	3 मई
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस	11 मई
मातृ दिवस	09 मई
अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस	15 मई
विश्व तम्बाकू निषेध दिवस	31 मई
जून	**समारोह की तिथि**
विश्व दुग्ध दिवस	1 जून
विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून
विश्व रक्त दाता दिवस	14 जून
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	21 जून
दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ़ अंतर्राष्ट्रीय दिवस	26 जून
जुलाई	**समारोह की तिथि**
राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस	1 जुलाई
विश्व जनसंख्या दिवस	11 जुलाई
अगस्त	**समारोह की तिथि**
अंगदान दिवस	13 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त
अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफी दिवस	19 अगस्त
सद्भावना दिवस	20 अगस्त
अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस	21 अगस्त
राष्ट्रीय खेल दिवस	29 अगस्त
सितंबर	**समारोह की तिथि**
राष्ट्रीय पोषण सप्ताह	1-7 सितंबर
शिक्षक दिवस	5 सितंबर
अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस	8 सितंबर
हिन्दी दिवस	14 सितंबर
विश्व ओज़ोन दिवस	16 सितंबर
विश्व पर्यटन दिवस	27 सितंबर
अक्टूबर	**समारोह की तिथि**
राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस	1 अक्टूबर

छुआछूत विरोधी सप्ताह	2 अक्टूबर
गांधी जयंती	2 अक्टूबर
अंतर्राष्ट्रीय पशु दिवस	4 अक्टूबर
अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि दिवस	14 अक्टूबर (2nd गुरुवार)
प्राकृतिक आपदा निवारण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस	13 अक्टूबर
विश्व विद्यार्थी दिवस	15 अक्टूबर
विश्व खाद्य दिवस	16 अक्टूबर
विश्व बचत दिवस	31 अक्टूबर
नवंबर	**समारोह की तिथि**
विश्व सुनामी जागरूकता दिवस	5 नवंबर
बाल अधिकार दिवस	20 नवंबर
बाल दिवस	14 नवंबर
राष्ट्रीय एकता दिवस	19 नवंबर
विश्व शौचालय दिवस	19 नवंबर
कौमी एकता सप्ताह	19-25 नवंबर
विश्व धरोहर सप्ताह	19-25 नवंबर
अंतर्राष्ट्रीय मांसहीन दिवस	25 नवंबर
संविधान दिवस	26 नवंबर
दिसंबर	**समारोह की तिथि**
विश्व एड्स दिवस	1 दिसंबर
राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस	2 दिसंबर
विश्व विकलांग दिवस	3 दिसंबर
डॉ. अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस	6 दिसंबर
अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह	8-14 दिसंबर
मानव अधिकार दिवस	10 दिसंबर
राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस	14 दिसंबर
अल्पसंख्यको का अधिकार दिवस	18 दिसंबर
राष्ट्रीय गणित दिवस	22 दिसंबर
राष्ट्रीय किसान दिवस	23 दिसंबर

Dear Aspirants, here are the our results in differents exams (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न , 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न , 150 में से)

UP Police Constable 2024 - http://surl.li/rbfyn (98 प्रश्न , 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD – 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
MPPSC Prelims 2023	17 दिसम्बर	63 प्रश्न (100 में से)
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये

FREE SAMPLE

RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)
UP Police Constable	17 February 2024 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

Our Selected Students

Approx. 563+ students selected in different exams. Some of them are given below -

Photo	Name	Exam	Roll no.	City
	Mohan Sharma S/O Kallu Ram	Railway Group - d	114195120370022	PratapNagar Jaipur
	Mahaveer singh	Reet Level- 1	1233893	Sardarpura Jodhpur
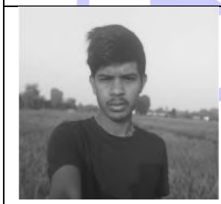	**Sonu Kumar Prajapati S/O Hammer shing prajapati**	SSC CHSL tier-1	2006018079	Teh.- Biramganj, Dis.- Raisen, MP
N.A	**Mahender Singh**	EO RO (81 Marks)	N.A.	teh nohar , dist Hanumangarh
	Lal singh	EO RO (88 Marks)	13373780	Hanumangarh
N.A	**Mangilal Siyag**	SSC MTS	N.A.	ramsar, bikaner

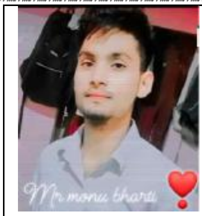	**MONU S/O KAMTA PRASAD**	SSC MTS	3009078841	kaushambi (UP)
	Mukesh ji	RAS Pre	1562775	newai tonk
	Govind Singh S/O Sajjan Singh	RAS	1698443	UDAIPUR
	Govinda Jangir	RAS	1231450	Hanumangarh
N.A	**Rohit sharma s/o shree Radhe Shyam sharma**	RAS	N.A.	Churu
	DEEPAK SINGH	RAS	N.A.	Sirsi Road , Panchyawala
N.A	**LUCKY SALIWAL s/o GOPALLAL SALIWAL**	RAS	N.A.	AKLERA , JHALAWAR
N.A	**Ramchandra Pediwal**	RAS	N.A.	diegana , Nagaur

	Monika jangir	RAS	N.A.	jhunjhunu
	Mahaveer	RAS	1616428	village-gudaram singh, teshil-sojat
N.A	**OM PARKSH**	RAS	N.A.	Teshil-mundwa Dis- Nagaur
N.A	**Sikha Yadav**	High court LDC	N.A.	Dis- Bundi
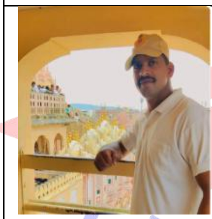	**Bhanu Pratap Patel s/o bansi lal patel**	Rac batalian	729141135	Dis.-Bhilwara
N.A	**mukesh kumar bairwa s/o ram avtar**	3rd grade reet level 1	1266657	JHUNJHUNU
N.A	**Rinku**	EO/RO (105 Marks)	N.A.	District: Baran
N.A.	**Rupnarayan Gurjar**	EO/RO (103 Marks)	N.A.	sojat road pali
	Govind	SSB	4612039613	jhalawad

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Jagdish Jogi	EO/RO (84 Marks)	N.A.	tehsil bhinmal, jhalore.
	Vidhya dadhich	RAS Pre.	1158256	kota
	Sanjay	Haryana PCS	96379	Jind (Haryana)

And many others……

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Click on the below link to purchase notes

WhatsApp करें - https://wa.link/bxnukg

Online Order करें - https://bit.ly/haryana-cet-notes

Call करें - 9887809083